# Topic 1:–

## स्टेट ऑफ अफ्रीका एनवायरमेंट: अफ्रीका में क्यों है जल संकट?

*सभी अफ्रीकी देशों पर जल संकट मंडरा रहा है। यह महाद्वीप दुनिया में पानी की गंभीर कमी से जूझ रही 22 फीसदी आबादी का घर है*

**Source :– DOWN TO EARTH & State of Africa's Environment Report 2024**

Result Mitra

- किसने जारी की :– सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट और डाउन टू अर्थ

- जल सुरक्षा का अर्थ  इस बात तक सीमित नहीं होना चाहिए की  किसी देश में कितना प्राकृतिक जल उपलब्ध है

- महत्त्वपूर्ण यह है  कि कोई देश अपने उपलब्ध जल  संसाधनों का प्रबंधन और उपयोग कितनी कुशलता से  कर रहा  हैं।

## प्वाइंट 1..

- विश्व बैंक 2014 :– कांगों में प्राथमिक विद्यालय में पढ़ने वाली एक लड़की अपना 15 फीसदी समय पानी लाने में बिताती है।
- माध्यमिक विद्यालय की लड़की अपना 16 फीसदी समय पानी को लाने में है।
- जबकि कांगो की प्रत्येक महिला अपने जीवन का करीब छठा हिस्सा पानी की खोज और घर तक पहुंचाने में बिताती है।
- अफ्रीकी कॉन्टिनेंट को 'जल-समृद्ध' देश के रूप में माना जाता है।

- गंभीर जल संकट का सामना कर रहे 114 देशों में से करीब आधे देश अफ्रीका के हैं।

- वहीं सबसे गंभीर जल संकट का सामना करने वाले पांच देशों में से तीन देश अफ्रीका में है।

- यह देश इरिट्रिया, सूडान और इथियोपिया हैं।

- इस महाद्वीप में 17 नदियां, 160 से ज्यादा झीलें और बड़ी-बड़ी आर्द्रभूमियां हैं।

- अफ्रीका की नील नदी दुनिया की सबसे लंबी नदी है और विक्टोरिया दूसरी सबसे बड़ी झील है।

- स्टेट ऑफ अफ्रीका एनवायरमेंट रिपोर्ट 2024 के मुताबिक अफ्रीका में भूमिगत जलभृतों में 6.6 लाख वर्ग किलोमीटर पानी मौजूद है। जो बांधों, नदियों में हर साल संग्रहित ताजे पाने से 100 गुणा अधिक है।

- विश्व बैंक के अनुसार अफ्रीका की सतह पर जितना भी जल है उसका 50 फीसदी कांगो में है।

- अफ्रीका में मौजूद जल संसाधनों का करीब एक चौथाई हिस्सा यहां मौजूद है।

- संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) और यूएनईपी के अनुसार यहां नदियों का विस्तार 20,000 किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में हैं, वहीं झीलें और नदियां 86,080 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को कवर करती हैं।

- जहां बहने वाली नदी कांगो उपलब्ध जल के हिसाब से अफ्रीका की सबसे बड़ी नदी है, यह पूरे वर्ष बहती है और देश के 98 फीसदी हिस्से को कवर करती है।

Result Mitra

## पानी होने के बावजूद क्यों प्यासा है अफ्रीका :–

- अफ्रीका वर्तमान में 'कांगो सिंड्रोम' की स्थिति में  है
- अर्थ :– यहां पानी तो बहुत है, लेकिन यह बहुत से लोगों की पहुंच से बाहर है।
- यह वो क्षेत्र है जहां 25.5 करोड़ लोग गरीबी में जीवन गुजारने को मजबूर हैं।

विश्व बैंक की  रिपोर्ट, 'द हिडन वेल्थ ऑफ नेशंस', अनुसार :–

- उप-सहारा अफ्रीका में भूजल खाद्य सुरक्षा को बेहतर बनाने और गरीबी को कम करने में मददगार साबित हो सकता है।

- रिपोर्ट के मुताबिक अफ्रीका दुनिया का दूसरा सबसे सूखा महाद्वीप है ( ऑस्ट्रेलिया के बाद ) जहां जल संकट एक बड़ी विकट समस्या है।

- नवंबर 2022 में प्रकाशित एक सर्वेक्षण के अनुसार, उप-सहारा अफ्रीका 2020 से 2021 के बीच सबसे अधिक जल-तनाव वाला क्षेत्र था।

- उप-सहारा अफ्रीका के देशों कैमरून और इथियोपिया गंभीर जल संकट से जूझ रहे हैं।

- कैमरून में 63.9 फीसदी जबकि इथियोपिया में 45 फीसदी लोग पानी की कमी से जूझ रहे थे।
- चीन में तो महज 3.6 फीसदी आबादी इस समस्या से त्रस्त है।
- अफ्रीका के 31 निम्न और मध्यम आय वाले देशों में 300 करोड़ लोगों पर किए सर्वेक्षण से पता चला है कि इनमें से 43.6 करोड़ लोग पानी की समस्या से जूझ रहे थे।

- प्रश्न. निम्नलिखित में से कौन-सा प्राचीन नगर अपने उन्नत जल संचयन और प्रबंधन प्रणाली के लिये सुप्रसिद्ध है, जहाँ बाँधों की शृंखला का निर्माण किया गया था और संबद्ध जलाशयों में नहर के माध्यम से जल को प्रवाहित किया जाता था? (2021)

- (a) धौलावीरा
- (b) कालीबंगा
- (c) राखीगढ़ी
- (d) रोपड़

Result Mitra

# Topic 2:–

## विश्व ओजोन दिवस: पृथ्वी को बचाने वाली छतरी का संरक्षण कितना जरूरी?

*ओजोन सूर्य के जैविक रूप से खतरनाक अल्ट्रावायलेट बी (यूवीबी) किरणों में से कुछ को अवशोषित करती है। अपनी फायदा पहुंचाने वाली भूमिका के कारण, समताप मंडल की ओजोन "अच्छी" ओजोन मानी जाती है।*

**Source :– DOWN TO**

**कब मनाया जाता है :–**

- 16 सितंबर

## किसके द्वारा :–

- संयुक्त राष्ट्र द्वारा।

उद्देश्य:–

- पृथ्वी पर जीवन की रक्षा में ओजोन परत के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए।

- इस साल की थीम "मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल: जलवायु कार्रवाई को आगे बढ़ाना"

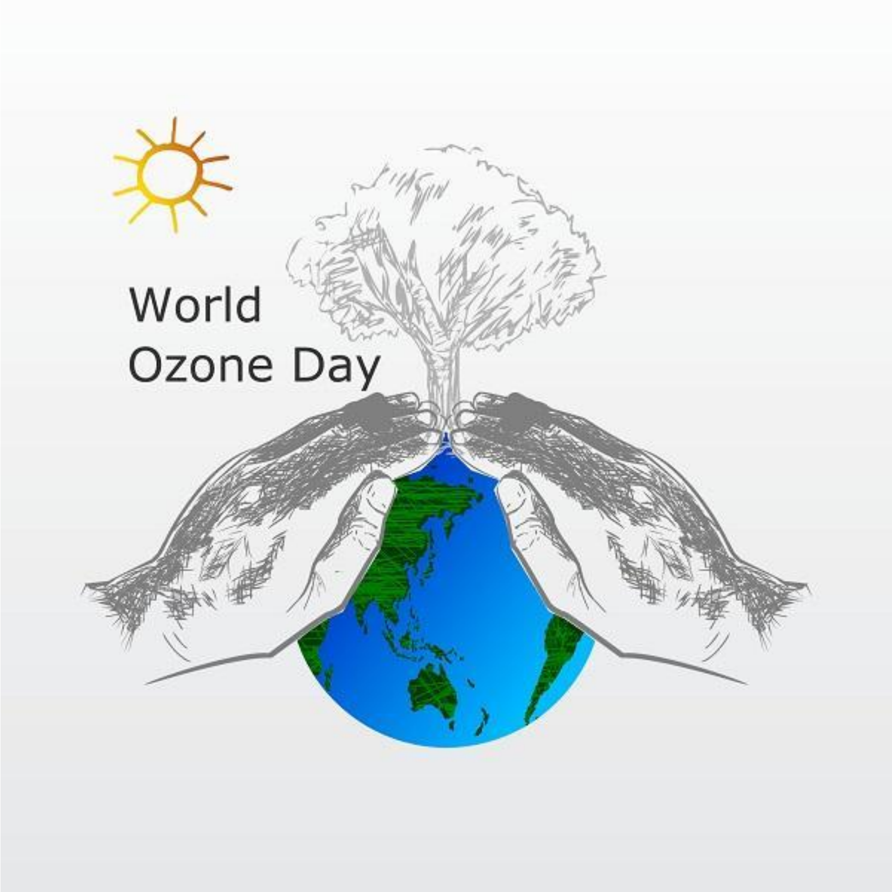

## Point 1 :–

- क्या है ओजोन
- ओजोन को O3 के रूप में भी जानते है
- O2 में साँस लेते हैं और जो पृथ्वी पर जीवन के लिये बहुत महत्त्वपूर्ण।
- ओज़ोन की प्राप्ति प्राकृतिक रूप से पृथ्वी के ऊपरी वायुमंडल (समताप मंडल) में 90%.
- पृथ्वी की सतह से 10 से 40 किमी के बीच होता है

Result Mitra

- ओज़ोन  परत एक सुरक्षात्मक परत  है यह सूर्य की हानिकारक पराबैंगनी किरणों से बचाती है।

- ओज़ोन को  धीरे-धीरे मानव जनित रसायनों से  नष्ट किया जा रहा है

- ऐसे  रसायनों को ओज़ोन-घटाने वाला पदार्थ (ODS-Ozone Depleting Substance) कहा जाता है,

- इनमें मुख्य रूप से  सीएफ़सी, हैलोन, एचसीएफसी, मिथाइल ब्रोमाइड, कार्बन टेट्राक्लोराइड और मिथाइल क्लोरोफॉर्म  हैं।

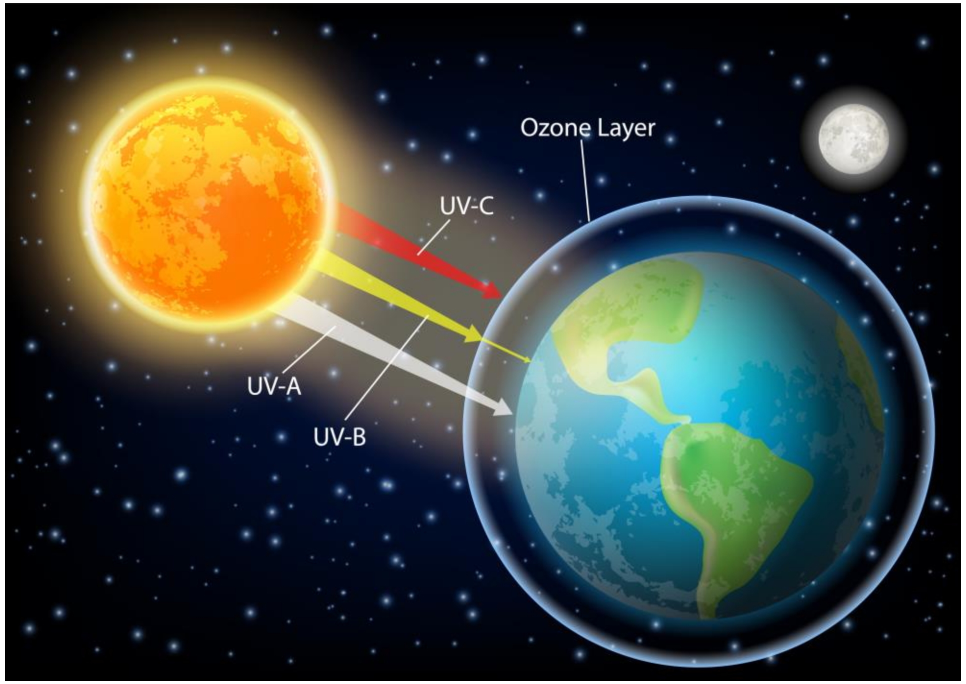

- जब ये गैसे वायुमंडल में समताप मंडल के क्लोरीन और ब्रोमीन परमाणु ओज़ोन के संपर्क में आते हैं, तो वे ओज़ोन अणुओं को नष्ट कर देते हैं।

- समताप मंडल से हटाए जाने से पहले एक क्लोरीन परमाणु 100,000 से अधिक ओज़ोन अणुओं को नष्ट कर सकता है।

- प्राकृतिक रूप से बनने की तुलना में ओज़ोन अधिक तेज़ी से नष्ट हो सकता है।

- ओज़ोन परत के क्षरण से मनुष्यों में त्वचा कैंसर और मोतियाबिंद की घटनाओं में वृद्धि होती है।

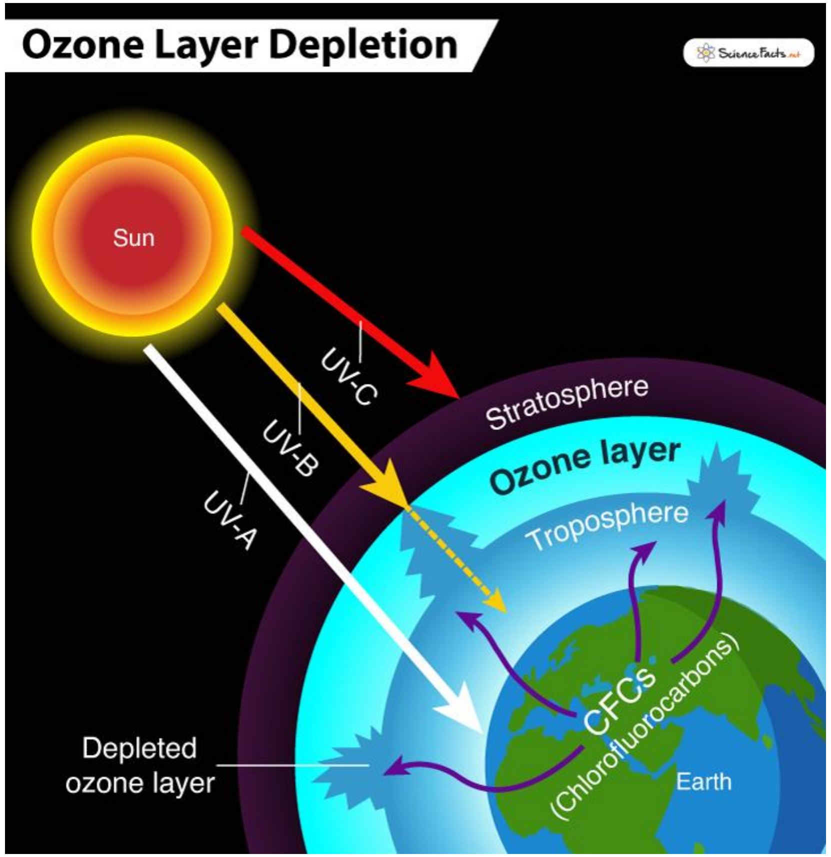

## मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल :–

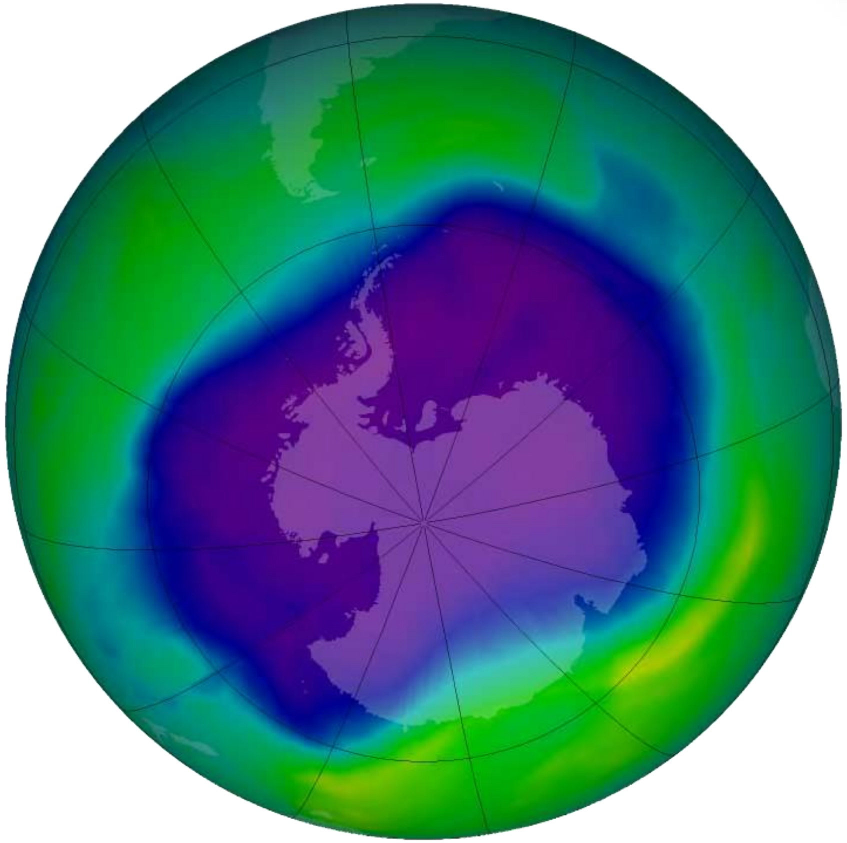

## क्या है :–

- ओज़ोन-क्षयकारी पदार्थों के उत्पादन को रोकने के लिये एक विश्वव्यापी समझौता।

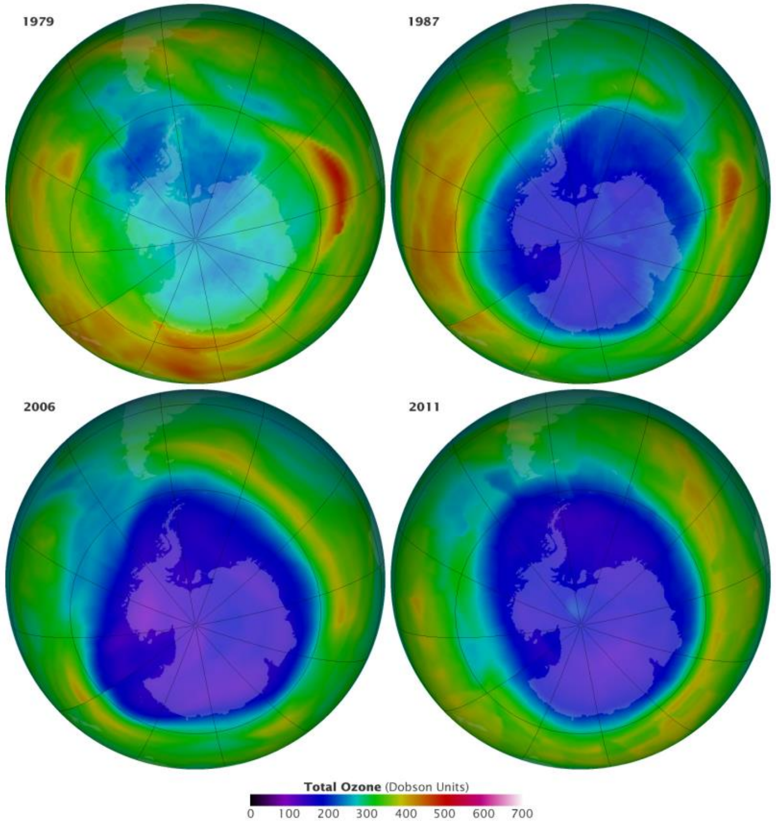

## कब अपनाया गया :–

- 16 सितंबर, 1987 को

- यह प्रोटोकॉल अब तक की एकमात्र संयुक्त राष्ट्र संधि है जिसे पृथ्वी पर प्रत्येक देश एवं सभी संयुक्त राष्ट्र सदस्य राज्यों द्वारा अनुमोदित किया गया है।

- भारत जून 1992 से मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल का पक्षकार है।

- प्रश्न. निम्नलिखित में से कौन-सा एक, ओज़ोन का अवक्षय करने वाले पदार्थों के प्रयोग पर नियंत्रण और उन्हें चरणबद्ध रूप से प्रयोग से बाहर करने (फेजिंग आउट) के मुद्दे से संबद्ध है? (2015)

- (a) ब्रेटन वुड्स सम्मेलन
- (b) मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल
- (c) क्योटो प्रोटोकॉल
- (d) नागोया प्रोटोकॉल

Result Mitra

Result Mitra

# Topic 3 :– लोक सेवकों के विरूद्ध भ्रष्टाचार के मामलों की जांच करेगी इन्क्वायरी विंग

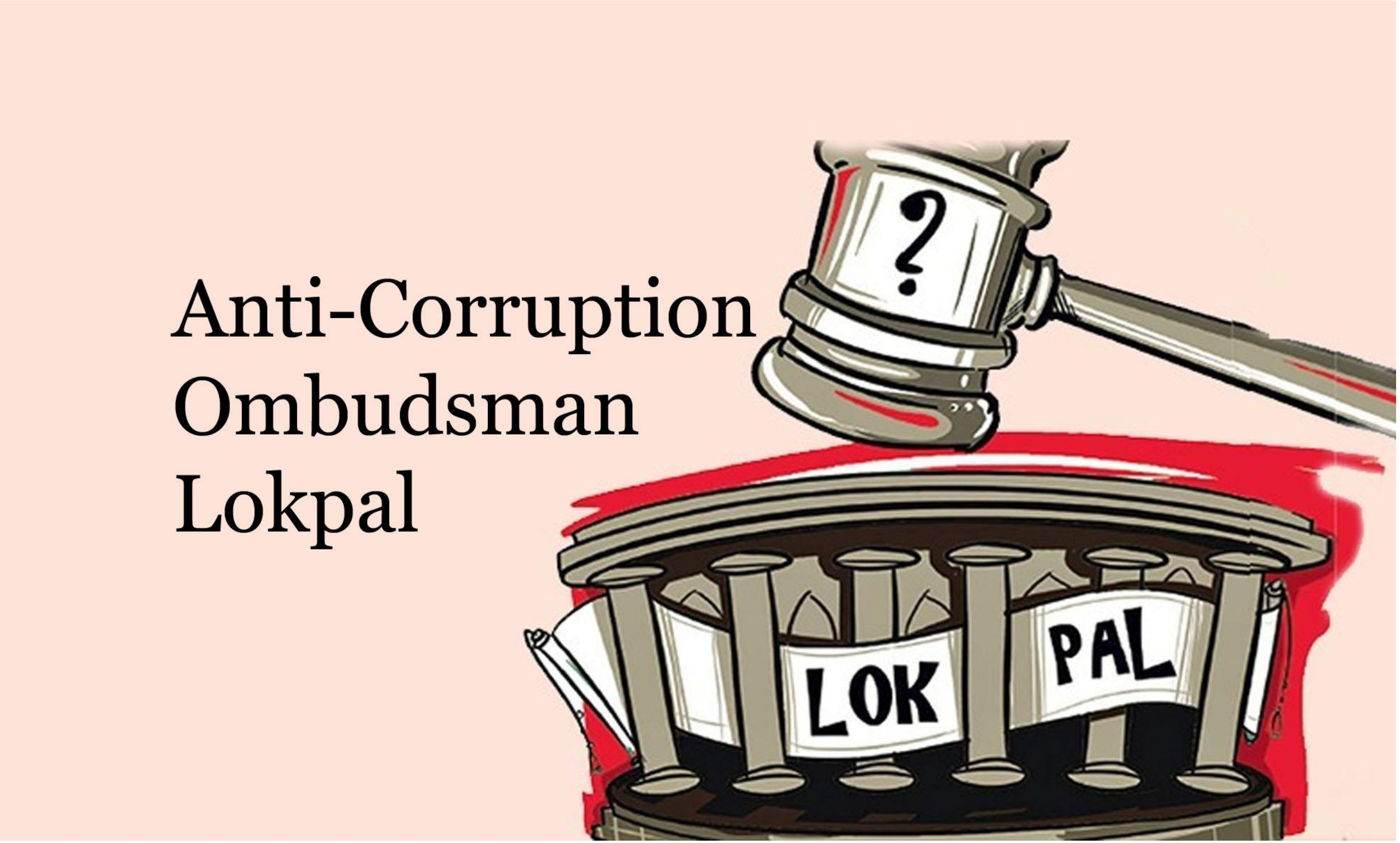

## चर्चा में क्यों :–

- हाल ही में लोकपाल द्वारा  लोक सेवकों के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामलों की जांच करने के लिए इन्क्वायरी विंग का गठन किया गया ।

Result Mitra

- इन्क्वायरी विंग का गठन लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम, 2013 की धारा 11 के तहत किया गया है।

# Topic 4 :– Mpox के लिए पहली वैक्सीन प्रीक्वालिफाइड

Result Mitra

## चर्चा में क्यों :–

- हाल ही में विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के द्वारा Mpox के खिलाफ पहली वैक्सीन को प्रीक्वालिफाइड किया गया है।

Result Mitra

## वैक्सीन का नाम :–

- MVA-BN ।

Result Mitra

## किसने विकसित किया :-

- डेनिश फार्मास्युटिकल कंपनी बवेरियन नॉर्डिक।

- किसके लिए उपयोगी :– वैक्सीन 18 साल और उससे अधिक उम्र के व्यक्तियों के लिए।

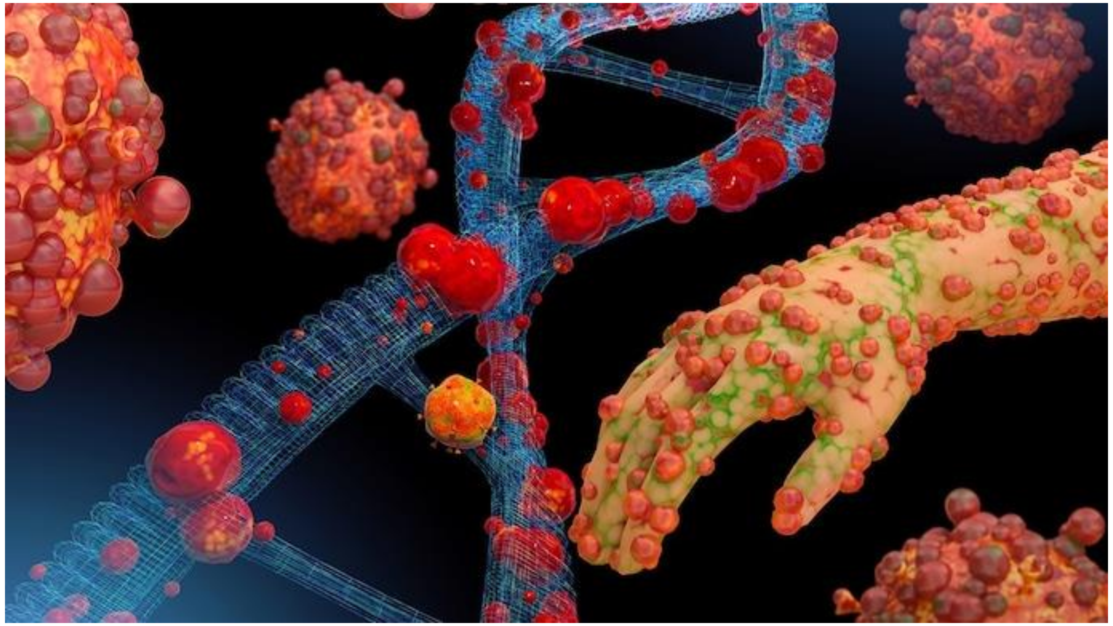

## कैसे काम करती है:–

- संक्रमण से पहले दो डोज देना आवश्यक
- सिंगल डोज देने पर प्रभावशीलता लगभग 76% तो बही डबल डोज में लगभग 82% होती है।

Result Mitra

# वैक्सीन प्रीक्वालिफिकेशन (PQ)

- शुरुआत :– 1987 में।

Result Mitra

उद्देश्य :–

- वैक्सीन खरीदने वाली संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों द्वारा वितरित वैक्सीन की गुणवत्ता सुनिश्चित करना।

Result Mitra

## किन दवाओं को  प्रीक्वालिफाइड वैक्सीन की सूची: में शामिल की जाती हैं:–

- 1.सकारात्मक परिणाम दिखाने वाले वैक्सीन
- 2. ऐसी वैक्सीन जिनके लिए WHO  व्यापक डाटा मूल्यांकन कर चुका है
- 3. ऐसी वैक्सीन जिनकी व्यापक सैंपल्स का परीक्षण किया जा चुका है

## वैक्सीन या उसके विनिर्माण केंद्र को मंजूरी :–

- देशों के राष्ट्रीय विनियामक प्राधिकरण (NRA) का विशेषाधिकार है।

Result Mitra™

## Mpox

- **मूल नाम :–** मंकीपॉक्स।
- **कैसी बीमारी :–** जूनोटिक द्वारा।
- **विशेषता :–** 1. एम पॉक्स वायरस (MPXV) ऑर्थोपॉक्सवायरस जीनस का वायरस है।

- यह बाह्य आवरण से युक्त डबल-स्ट्रेंडेड DNA वायरस है।

- Mpox पहली बार 1958 में डेनमार्क में शोध के लिए रखे गए बंदरों में पाया गया।

- Mpox के मानव में संक्रमण का पहला मामला 1970 में DRC कांगो में नौ माह के बालक में ।

Result Mitra

## संचरण:

- 1.संक्रमित व्यक्ति के संपर्क से
- 2. जानवर के निकट संपर्क से
- 3.गर्भावस्था के दौरान माता से भ्रूण में।
- WHO Mpox को दो बार 2022 और 2024 में "अंतर्राष्ट्रीय चिंता का लोक स्वास्थ्य आपातकाल" घोषित कर चुका है।

# Topic 5 :– लोक अदालत

Result Mitra

## चर्चा में क्यों:-

- हाल ही में लोक अदालत का आयोजन किया गया था जिसमें लगभग 1.14 करोड़ मामले निपटाए गए

- **कौन करता है गठन :–** राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण (NALSA) ।

## लोक अदालत :–

- यह एक वैकल्पिक विवाद समाधान है।
- लोक अदालत संविधिक दर्जा प्राप्त संस्था है इसे विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के तहत गठित किया जाता है।
- सिविल कोर्ट के समान शक्तियां प्राप्त ( सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के तहत )।

## लोक अदालत के लाभ :–

- 1. लंबित विवादों/मामलों का सौहार्दपूर्ण ढंग से निपटारा
- 2. इसकी मदद मुकदमेबाजी के पहले के स्तर पर ली जा सकती।
- निर्णय :– अंतिम और बाध्यकारी।
- निर्णय के खिलाफ कोई अपील नहीं।

## NALSA

- गठन :– कानूनी सेवा प्राधिकरण (LSA) अधिनियम, 1987 के तहत।

- कार्य :– कमजोर वर्गों को नि:शुल्क कानूनी सेवाएं प्रदान करना।